चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	25-1-24	9	1-4

हकृवि को मिली अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशाला

सीएम ने किया वर्चुअल उद्घाटन । प्रति वर्ष तैयार होंगे बीमारी रहित 20 लाख पौधे

हिसार, 24 जनवरी (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में सेंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्चुअल माध्यम से किया। विश्वविद्यालय में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा रहे व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर.काम्बोज ने अध्यक्षता की।

हरियाणा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशाला का स्थापित होना सौभाग्य की बात है और उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला से किसानों को सीधे रूप से फायदा होगा, जहां से तैयार किए पौधे हरियाणा ही नहीं अपितु उत्तर भारत के किसानों को उपलब्ध करवाएं जा सकेंगे।

हिसार स्थित हकृवि में बुधवार को अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन करते डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा व अन्य। -हप्र

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि यह प्रयोगशाला लगभग 6 करोड़ रुपये में तैयार किया गया है। इस प्रयोगशाला में टिशू कल्चर विधि से विभिन्न पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई है, जहां लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, बीमारी रहित एवं आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे प्रति वर्ष तैयार किए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला में गन्ना, केला, ब्रह्मी, एलोविरा, औषधीय पौधे एवं अन्य कृषि उपयोगी पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवाया जाएगा। भविष्य में भी हमारी कोशिश यह रहेगी कि हम ज्यादा से ज्यादा पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवा सकें।

2.5 एकड़ में फैली प्रयोगशाला

बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है, जोकि तीन भागों में विभाजित है। पहला भाग प्रयोगशाला है, जोकि 6500 स्कवेयर फुट में स्थापित है, जिसमें पौधे परखनलियों में प्रयोगशाला में नियंत्रित तापमान एवं प्रकाश के अंदर विकसित किए जाते हैं। दूसरा भाग ग्रीन हाउस है, जोकि 1041 स्कवेयर फुट में बना हुआ है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	25-1-24	9	6-8

सीएम ने किया एचएयू में सेंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की प्रयोगशाला का उद्घाटन

- प्रयोगशाला में उच्च गुणवत्ता के बीमारी रहित 20 लाख पौधे प्रति वर्ष किए जा सकेंगे तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में सेंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतरराष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन बुधवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्चुअल माध्यम से किया। विश्वविद्यालय में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा रहे व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने अध्यक्षता की। डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशाला का स्थापित होना सौभाग्य की बात है और उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। इस प्रयोगशाला से किसानों को सीधे रूप से फायदा होगा, जहां से तैयार किए पौधे हरियाणा ही नहीं अपितु उत्तर भारत के किसानों को उपलब्ध करवाए जा सकेंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे किसानों के हित में शोध कर कृषि क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि इस प्रयोगशाला का कृषि क्षेत्र में बहुत योगदान रहेगा। यह प्रयोगशाला लगभग छह करोड़ रुपये में तैयार किया गया है। इस प्रयोगशाला में टिशू कल्चर विधि से विभिन्न पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई है, जहां लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, बीमारी रहित एवं आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे प्रति वर्ष तैयार किए जा सकेंगे। इस प्रयोगशाला में गन्ना, केला, ब्रह्मी, एलोविरा, औषधीय पौधे एवं अन्य कृषि उपयोगी पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवाया जाएगा। भविष्य में भी हमारी कोशिश यह रहेगी कि हम ज्यादा से ज्यादा पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवा सकें।

हिसार। सेंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतरराष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि एवं डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा। फोटो: हरिभूमि

बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है, जोकि तीन भागों में विभाजित है। पहला भाग प्रयोगशाला है, जोकि 6500 स्कवेयर फीट में स्थापित है, जिसमें पौधे परखनलियों में प्रयोगशाला में नियंत्रित तापमान एवं प्रकाश के अंदर विकसित किए जाते हैं। दूसरा भाग ग्रीन हाउस है, जोकि 1041 स्कवेयर फीट में बना हुआ है। जहां पर पौधों को नियंत्रित तापमान एवं आर्द्रता में विकसित किया जाता है। इस ग्रीन हाउस में टिशू कल्चर विधि का इस्तेमाल कर 5 लाख पौध को रखने की क्षमता होगी। उन्होंने बताया कि तीसरा भाग नेट हाउस है, जोकि एक एकड़ में बना हुआ है, जिसमें पौधों को रखकर किसानों को उपलब्ध करवाए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	25-1-24	2	2-6

हकृवि में सेंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की प्रयोगशाला का उद्घाटन

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलाजी महाविद्यालय में सेंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतरराष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्चुअल माध्यम से किया। विश्वविद्यालय में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा रहे व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अध्यक्षता की।

हकृवि में सेंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन करते मुख्यातिथि हरियाणा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा सहित अन्य। ● पीआरओ

हरियाणा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशाला का स्थापित होना सौभाग्य की बात है और उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला से किसानों को सीधे रूप से फायदा होगा, जहां से तैयार किए पौधे हरियाणा ही नहीं अपितु उत्तर भारत के किसानों को उपलब्ध करवाएं जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि वे किसानों के हित में शोध कर कृषि क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि इस प्रयोगशाला का कृषि क्षेत्र में बहुत योगदान रहेगा। उन्होंने बताया कि यह प्रयोगशाला लगभग 6 करोड़ रुपये में तैयार किया गया है। इस प्रयोगशाला में टिशू कल्चर विधि से विभिन्न पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई है, जहां लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, बीमारी रहित एवं आनुवंशिक रूप से एक जैसे पौधे प्रति वर्ष तैयार किए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला में गन्ना, केला, ब्रह्मी, एलोविरा, औषधीय पौधे एवं अन्य कृषि उपयोगी पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवाया जाएगा। भविष्य में भी हमारी कोशिश यह रहेगी कि हम ज्यादा से ज्यादा पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवा सकें।

बायोटेक्नोलाजी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. सुधीर शर्मा ने कहा कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है, जोकि तीन भागों में विभाजित है। पहला भाग प्रयोगशाला है, जोकि 6500 स्कवेयर फीट में स्थापित है, जिसमें पौधे परखनलियों में प्रयोगशाला में नियंत्रित तापमान एवं प्रकाश के अंदर विकसित किए जाते हैं। दूसरा भाग ग्रीन हाउस है, जोकि 1041 स्कवेयर फीट में बना हुआ है। जहां पर पौधों को नियंत्रित तापमान एवं आर्द्रता में विकसित किया जाता है। इस ग्रीन हाउस में टिशू कल्चर विधि का इस्तेमाल कर 5 लाख पौध को रखने की क्षमता होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.1.24	4	5-6

इधर... एचएयू की लैब में हर साल तैयार होंगे 20 लाख पौधे, किसानों को मिलेंगे

हिसार| एचएयू के बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में सेंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्चुअल माध्यम से किया। विवि में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा रहे व एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अध्यक्षता की।

वीसी प्रो. काम्बोज ने कहा कि यह प्रयोगशाला लगभग 6 करोड़ रुपए में तैयार किया गया है। इस प्रयोगशाला में टिशू कल्चर विधि से विभिन्न पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई है, जहां लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, बीमारी रहित एवं आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे प्रति वर्ष तैयार किए जा सकेंगे। इस प्रयोगशाला में गन्ना, केला, ब्रह्मी, एलोविरा, औषधीय पौधे एवं अन्य कृषि उपयोगी पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवाया जाएगा।

2.5 एकड़ में फैली है लैब

बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है, जोकि तीन भागों में विभाजित है। पहला भाग प्रयोगशाला है, जोकि 6500 स्क्वेयर फीट में स्थापित है, जिसमें पौधे परखनलियों में प्रयोगशाला में नियंत्रित तापमान एवं प्रकाश के अंदर विकसित किए जाते हैं। दूसरा भाग ग्रीन हाउस है, जोकि 1041 स्क्वेयर फीट में बना हुआ है। ग्रीन हाउस में टिशू कल्चर विधि का इस्तेमाल कर 5 लाख पौध को रखने की क्षमता होगी। तीसरा भाग नेट हाउस है, जो एक एकड़ में बना है।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	25-1-24	5	1-4

हकृवि में सेंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की प्रयोगशाला का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

हिसार, 24 जनवरी (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बायोटैक्नोलॉजी महाविद्यालय में सेंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्चुअल माध्यम से किया। विश्वविद्यालय में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा रहे व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अध्यक्षता की। हरियाणा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशाला का स्थापित होना सौभाग्य की बात है और उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला से किसानों को सीधे रूप से फायदा होगा, जहां से तैयार किए पौधे हरियाणा ही नहीं अपितु उत्तर भारत के किसानों को उपलब्ध करवाएं जा सकेंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे किसानों के हित में शोध कर कृषि क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि इस प्रयोगशाला

हकृवि में सेंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन करते मुख्यातिथि हरियाणा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा सहित अन्य।

का कृषि क्षेत्र में बहुत योगदान रहेगा। हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल जोकि किसानों की सेवा के लिए हमेशा से ही तत्पर रहते हैं। इसी दिशा में विश्वविद्यालय में माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अत्याधुनिक प्रयोगशाला स्थापित की गई है। उन्होंने बताया कि यह प्रयोगशाला लगभग 6 करोड़ रुपये में तैयार किया गया है। इस प्रयोगशाला में टिशू कल्चर विधि से विभिन्न पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई है, जहां लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, बीमारी रहित एवं आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे प्रति वर्ष तैयार किए जा सकेंगे।

उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला में गन्ना, केला, ब्रह्मी, एलोविरा, औषधीय पौधे एवं अन्य कृषि उपयोगी पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवाया जाएगा। भविष्य में भी हमारी कोशिश यह रहेगी कि हम ज्यादा से ज्यादा पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवा सकें। बायोटैक्नोलॉजी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है, जोकि तीन भागों में विभाजित है। पहला भाग प्रयोगशाला है, जोकि 6500 स्क्वेयर फीट में स्थापित है, जिसमें पौधे परखनलियों में प्रयोगशाला में नियंत्रित तापमान एवं प्रकाश के अंदर विकसित किए जाते हैं। दूसरा भाग ग्रीन हाउस है, जोकि 1041 स्कवेयर फीट में बना हुआ है। जहां पर पौधों को नियंत्रित तापमान एवं आर्द्रता में विकसित किया जाता है। इस ग्रीन हाउस में टिशू कल्चर विधि का इस्तेमाल कर 5 लाख पौध को रखने की क्षमता होगी। उन्होंने बताया कि तीसरा भाग नेट हाउस है, जोकि एक एकड़ में बना हुआ है, जिसमें पौधों को रखकर किसानों को उपलब्ध करवाए जाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े समस्त महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं गैर-शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	25-1-24	4	1-4

एचएयू की लैब में उच्च गुणवत्ता के 20 लाख पौधे प्रति वर्ष होंगे तैयार

मुख्यमंत्री ने सेंटर फॉर माइक्रो प्रोपेगेशन एंड डबल हैप्लोइड उत्पादन की प्रयोगशाला का किया उद्घाटन

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में सेंटर फॉर माइक्रो प्रोपेगेशन एंड डबल हैप्लोइड उत्पादन की अंतरराष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन बुधवार को मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने वर्चुअल माध्यम से किया। इस लैब में प्रति वर्ष उच्च गुणवत्ता के बीमारी रहित 20 लाख पौधे तैयार किए जाएंगे।

डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि विवि में अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशाला से किसानों को सीधे रूप से फायदा होगा। यहां तैयार किए पौधे प्रदेश ही नहीं अपितु उत्तर भारत के किसानों को उपलब्ध करवाएं जा सकेंगे। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि प्रयोगशाला को लगभग 6 करोड़ रुपये में तैयार किया गया है। इस प्रयोगशाला में टिश्यू कल्चर विधि से विभिन्न पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई है, जहां लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, बीमारी रहित एवं आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे प्रति वर्ष तैयार किए जा सकेंगे। प्रयोगशाला में गन्ना, केला, ब्रह्मी, एलोविरा, औषधीय पौधे एवं अन्य कृषि उपयोगी पौधे किसानों को उपलब्ध करवाया जाएगा।

कैंपस कॉलिंग

बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में बनी है। लैब तीन भागों में विभाजित है। पहला भाग प्रयोगशाला है, जिसमें 6500 स्क्वेयर फुट में स्थापित है। दूसरा भाग ग्रीन हाउस है। तीसरा भाग नेट हाउस है, जिसमें पौधों को रखकर किसानों को उपलब्ध करवाए जाएंगे।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25-1-24	3	3

हकृवि में सैंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की प्रयोगशाला का किया उद्घाटन

हिसार, 24 जनवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बायोटैक्नोलॉजी महाविद्यालय में सैंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्चुअल माध्यम से किया। विश्वविद्यालय में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा रहे व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर.काम्बोज ने अध्यक्षता की।

हरियाणा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि इस प्रयोगशाला से किसानों को सीधे रूप से फायदा होगा, जहां से तैयार किए पौधे ,हरियाणा ही नहीं अपितु उत्तर भारत के किसानों को उपलब्ध करवाएं जा सकेंगे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि इस प्रयोगशाला का कृषि क्षेत्र में बहुत योगदान रहेगा। इस प्रयोगशाला में टिशू कल्चर विधि से विभिन्न पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई है, जहां लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, बीमारी रहित एवं आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे प्रति वर्ष तैयार किए जा सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	25.01.2024	--	--

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हकृवि में प्रयोगशाला का किया उद्घाटन

● इस प्रयोगशाला में उच्च गुणवत्ता के बीमारी रहित 20 लाख पौधे प्रति वर्ष किए जा सकेंगे तैयार

सवेरा न्यूज/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 24 जनवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में सेंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्चुअल माध्यम से किया। विश्वविद्यालय में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा रहे व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर.काम्बोज ने अध्यक्षता की।

हकृवि में सेंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उदघाटन करते मुख्यातिथि हरियाणा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा सहित अन्य।

हरियाणा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशाला का स्थापित होना सौभाग्य की बात है और उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला से किसानों को सीधे रूप से फायदा होगा, जहां से तैयार किए पौधे हरियाणा ही नहीं अपितु उत्तर भारत के किसानों को उपलब्ध करवाएं जा सकेंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे किसानों के हित में शोध कर कृषि क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि इस प्रयोगशाला का कृषि क्षेत्र में बहुत योगदान रहेगा। हरियाणा प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जोकि किसानों की सेवा के लिए हमेशा से ही तत्पर रहते हैं। इसी दिशा में विश्वविद्यालय में माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अत्याधुनिक प्रयोगशाला स्थापित की गई है। उन्होंने बताया कि यह प्रयोगशाला लगभग 6 करोड़ रुपये में तैयार किया गया है। इस प्रयोगशाला में टिशू कल्चर विधि से विभिन्न पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई है, जहां लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, बीमारी रहित एवं आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे प्रति वर्ष तैयार किए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला में गन्ना, केला, ब्राह्मी, एलोविरा, औषधीय पौधे एवं अन्य कृषि उपयोगी पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवाया जाएगा। भविष्य में भी हमारी कोशिश यह रहेगी कि हम ज्यादा से ज्यादा पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवा सकें।

बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है, जोकि तीन भागों में विभाजित है। पहला भाग प्रयोगशाला है, जोकि 6500 स्कवेयर फीट में स्थापित है, जिसमें पौधे परखनलियों में प्रयोगशाला में नियंत्रित तापमान एवं प्रकाश के अंदर विकसित किए जाते हैं। दूसरा भाग ग्रीन हाउस है, जोकि 1041 स्कवेयर फीट में बना हुआ है। जहां पर पौधों को नियंत्रित तापमान एवं आर्द्रता में विकसित किया जाता है। इस ग्रीन हाउस में टिशू कल्चर विधि का इस्तेमाल कर 5 लाख पौधे को रखने की क्षमता होगी। उन्होंने बताया कि तीसरा भाग नेट हाउस है, जोकि एक एकड़ में बना हुआ है, जिसमें पौधों को रखकर किसानों को उपलब्ध करवाए जाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े समस्त महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं गैर-शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	24.01.2024	--	--

हकृवि में सेंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की प्रयोगशाला का किया उद्घाटन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में सेंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्चुअल माध्यम से किया। मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा विधान सभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा रहे व कुलपति प्रो. बी.आर.काम्बोज ने अध्यक्षता की। कुलपति ने कहा कि इस प्रयोगशाला का कृषि क्षेत्र में बहुत योगदान रहेगा। उन्होंने बताया कि यह प्रयोगशाला लगभग 6 करोड़ रुपये में तैयार किया गया है। इस प्रयोगशाला में टिशू कल्चर विधि से विभिन्न पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई है, जहां लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, बीमारी रहित एवं आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे प्रति वर्ष तैयार किए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला में गन्ना, केला, ब्रह्मी, एलोविरा, औषधीय पौधे एवं अन्य कृषि उपयोगी पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवाया जाएगा। बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है, जोकि तीन भागों में विभाजित है। पहला भाग प्रयोगशाला है, जोकि 6500 स्कवेयर फीट में स्थापित है, जिसमें पौधे परखनलियों में प्रयोगशाला में नियंत्रित तापमान एवं प्रकाश के अंदर विकसित किए जाते हैं। दूसरा भाग ग्रीन हाउस है, जोकि 1041 स्कवेयर फीट में बना हुआ है। जहां पर पौधों को नियंत्रित तापमान एवं आर्द्रता में विकसित किया जाता है। इस ग्रीन हाउस में टिशू कल्चर विधि का इस्तेमाल कर 5 लाख पौध को रखने की क्षमता होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	24.01.2024	--	--

हकृवि में सेंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की प्रयोगशाला का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 24 जनवरी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में सेंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्चुअल माध्यम से किया। विश्वविद्यालय में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा रहे व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर.काम्बोज ने अध्यक्षता की। हरियाणा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशाला का स्थापित होना सौभाग्य की बात है और उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला से किसानों को सीधे रूप से फायदा होगा, जहां से तैयार किए पौधे हरियाणा ही नहीं अपितु उत्तर भारत के किसानों को उपलब्ध करवाएं जा सकेंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे किसानों के हित में शोध कर कृषि क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि इस प्रयोगशाला का कृषि क्षेत्र में बहुत योगदान रहेगा। हरियाणा प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जोकि किसानों की सेवा के लिए हमेशा से ही तत्पर रहते हैं। इसी दिशा में विश्वविद्यालय में माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अत्याधुनिक प्रयोगशाला स्थापित की गई है। उन्होंने बताया कि यह प्रयोगशाला लगभग 6 करोड़ रुपये में तैयार किया गया है। इस प्रयोगशाला में टिशू कल्चर विधि से विभिन्न पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई है, जहां लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, बीमारी रहित एवं आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे प्रति वर्ष तैयार किए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला में गन्ना, केला, ब्रह्मी, एलोविरा, औषधीय पौधे एवं अन्य कृषि उपयोगी पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवाया जाएगा। भविष्य में भी हमारी कोशिश यह रहेगी कि हम ज्यादा से ज्यादा पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवा सकें। बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है, जोकि तीन भागों में विभाजित है। पहला भाग प्रयोगशाला है, जोकि 6500 स्कवेयर फीट में स्थापित है, जिसमें पौधे परखनलियों में प्रयोगशाला में नियंत्रित तापमान एवं प्रकाश के अंदर विकसित किए जाते हैं। दूसरा भाग ग्रीन हाउस है, जोकि 1041 स्कवेयर फीट में बना हुआ है। जहां पर पौधों को नियंत्रित तापमान एवं आर्द्रता में विकसित किया जाता है। इस ग्रीन हाउस में टिशू कल्चर विधि का इस्तेमाल कर 5 लाख पौध को रखने की क्षमता होगी। उन्होंने बताया कि तीसरा भाग नेट हाउस है, जोकि एक एकड़ में बना हुआ है, जिसमें पौधों को रखकर किसानों को उपलब्ध करवाए जाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े समस्त महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं गैर-शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	24.01.2024	--	--

हकृवि में सेंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की प्रयोगशाला का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

हिसार (चिराग टाइम्स) चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में सेंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्चुअल माध्यम से किया। विश्वविद्यालय में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा रहे व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर.काम्बोज ने अध्यक्षता की।

हरियाणा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशाला का स्थापित होना सौभाग्य की बात है और उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला से किसानों को सीधे रूप से फायदा होगा, जहां से तैयार किए पौधे हरियाणा ही नहीं अपितु उत्तर भारत के किसानों को उपलब्ध करवाए जा सकेंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे किसानों के हित में शोध कर कृषि क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि इस प्रयोगशाला का कृषि क्षेत्र में बहुत योगदान रहेगा। हरियाणा प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जोकि किसानों की सेवा के लिए हमेशा से ही तत्पर रहते हैं। इसी दिशा में विश्वविद्यालय में माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अत्याधुनिक प्रयोगशाला स्थापित की गई है। उन्होंने बताया कि यह प्रयोगशाला लगभग 6 करोड़ रुपये में तैयार किया गया है। इस प्रयोगशाला में टिशू कल्चर विधि से विभिन्न पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई है, जहां लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, बीमारी रहित एवं आनुवांशिक रूप से एक जैसे पौधे प्रति वर्ष तैयार किए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला में गन्ना, केला, ब्राम्ही, एलोविरा, औषधीय पौधे एवं अन्य कृषि उपयोगी पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवाया जाएगा। भविष्य में भी हमारी कोशिश यह रहेगी कि हम ज्यादा से ज्यादा पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवा सकें। बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है, जोकि तीन भागों में विभाजित है। पहला भाग प्रयोगशाला है,

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	24.01.2024	--	--

प्रयोगशाला में उच्च गुणवत्ता के बीमारी रहित 20 लाख पौधे प्रति वर्ष किए जा सकेंगे तैयार

हकृवि में सेंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की प्रयोगशाला का उद्घाटन

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में सेंटर फार माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वर्चुअल माध्यम से किया। विश्वविद्यालय में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा रहे व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अध्यक्षता की।

हरियाणा के डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशाला का स्थापित होना सौभाग्य की बात है और उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला से किसानों को सीधे रूप से फायदा होगा, जहां से तैयार किए पौधे हरियाणा ही नहीं अपितु उत्तर भारत के किसानों को उपलब्ध करवाए जा सकेंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ये किसानों के हित में शोध कर कृषि क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि इस प्रयोगशाला का कृषि क्षेत्र में बहुत योगदान रहेगा। हरियाणा प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जोकि किसानों की सेवा के लिए हमेशा से ही तत्पर रहते हैं इसी दिशा में विश्वविद्यालय में माइक्रोप्रोपेगेशन एंड डबल हेपलोड उत्पादन की अत्याधुनिक प्रयोगशाला स्थापित की गई है। उन्होंने बताया कि यह प्रयोगशाला लगभग 6 करोड़ रुपये में तैयार किया गया है। इस प्रयोगशाला में टिशू कल्चर विधि से विभिन्न पौधे तैयार करने की विधियां विकसित की गई है, जहां लगभग 20 लाख उच्च गुणवत्ता, बीमारी रहित एवं आनुवंशिक रूप से एक जैसे पौधे प्रति वर्ष तैयार किए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रयोगशाला में गन्ना, केला, ब्राम्ही, एलोविरा, औषधीय पौधे एवं अन्य कृषि उपयोगी पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवाया जाएगा। भविष्य में भी हमारी कोशिश यह रहेगी कि हम ज्यादा से ज्यादा पौधे तैयार कर किसानों को उपलब्ध करवा सकें।

बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि यह प्रयोगशाला 2.5 एकड़ में फैली हुई है, जोकि तीन भागों में विभाजित है। पहला भाग प्रयोगशाला है, जोकि 6500 स्कवेयर फीट में स्थापित है, जिसमें पौधे परखनलियों में प्रयोगशाला में नियंत्रित तापमान एवं प्रकाश के अंदर विकसित किए जाते हैं। दूसरा भाग ग्रीन हाउस है, जोकि 1041 स्कवेयर फीट में बना हुआ है। जहां पर पौधों को नियंत्रित तापमान एवं आर्द्रता में विकसित किया जाता है। इस ग्रीन हाउस में टिशू कल्चर विधि का इस्तेमाल कर 5 लाख पौध को रखने की क्षमता होगी। उन्होंने बताया कि तीसरा भाग नेट हाउस है, जोकि एक एकड़ में बना हुआ है, जिसमें पौधों को रखकर किसानों को उपलब्ध करवाए जाएंगे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े समस्त महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं गैर-शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25-1-24	4	1-4

बेल वाली फसलों की पैदावार के बाद मई के अंत में खेत खाली कर उगा सकते हैं सब्जियां

फरवरी के अंतिम सप्ताह में करें तरबूज की चार्ल्सटन ग्रे, शुगर बेबी व खरबूजे की हरा मधु किस्म की रोपाई

यशपाल सिंह | हिसार

तरबूज व खरबूजे की अगेती फसल लेने के लिए इन बेलवाली फसलों की प्लास्टिक प्रो-ट्रे विधि से पौधे तैयार कर फरवरी के अंतिम सप्ताह में रोपाई कर दें। तरबूज की किस्में चार्ल्सटन ग्रे या शुगर बेबी तथा खरबूजे की किस्में हरा मधु या पंजाब सुनहरी प्रयोग में लाएं।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि फरवरी में बिजाई के बाद तरबूज और खरबूजा दोनों ही फसलें 45 से 50 दिन में फूल देने लगती हैं। इसके 40 से 50 दिन बाद फल पककर तैयार हो जाते हैं। जब फल पक जाएं किसान फसल में पानी न लगाएं, ऐसा करने से फल की मिठास कम हो सकती है। इन दोनों फसलों के लिए अधिकतम तापमान 20 से 25 डिग्री सेल्सियस रहना चाहिए। खरबूजे की फसल प्रति एकड़ औसतन 30 से 40 क्विंटल की पैदावार देती है, जबकि तरबूज 60 क्विंटल तक प्रति एकड़ पैदावार हो जाती है। इस तरह दोनों फसलों से किसान प्रति एकड़ 1 से 1.25 लाख रुपए प्रति एकड़ पैदावार ले सकते हैं। दोनों फसलें मई तक पैदावार देती हैं। मई के आखिरी में खेत को खाली करके भिंडी, घीया, पेठा और तोरी आदि की फसलें ली जा सकती हैं।

इस तरह से करें खेत तैयार और बिजाई

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सब्जी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेश तेहलान ने बताया कि तरबूज के लिए बीज की मात्रा लगभग 1.5 से 2 किलोग्राम प्रति एकड़ और खरबूजे की एक किलोग्राम प्रति एकड़ है। खेत तैयार करते समय 4 से 6 टन गोबर की खाद, 12 किलोग्राम फॉस्फोरस, 20 किलोग्राम नाइट्रोजन और 10 किलोग्राम पोटाश की शुद्ध मात्रा या लगभग 30 किलोग्राम डीएपी, 25 किलोग्राम यूरिया को 16 किलोग्राम न्यूरेटोपोटाश की मात्रा उपयुक्त रहती है। फॉस्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा बिजाई के समय और नाइट्रोजन खाद की आधी मात्रा इसके साथ डाल दें।

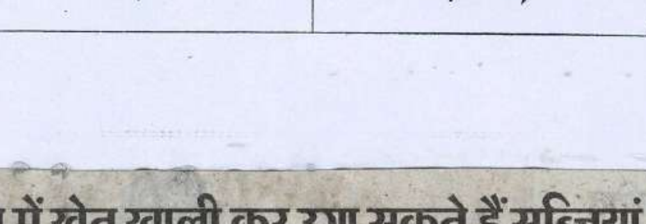

तरबूज की फसल की फाइल फोटो।

शेष बची हुई आधी नाइट्रोजन की मात्रा फूल बनने व फल लगने की अवस्था में डालें। खरबूजे की बिजाई 2.5 मीटर चौड़ी डोल में किनारों पर 60 सेंटीमीटर के फासले पर करें। खरबूजे की बिजाई के लिए शुगर बेबी किस्म के लिए 3 मीटर और चार्ल्सटन ग्रे के लिए 4 मीटर चौड़ी क्यारियां बनाएं तथा क्यारियों के दोनों ओर 60 सेंटीमीटर की दूरी पर बीज बोएं। खेत में नमी का भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

पपीते के पौधों पर लगाए छप्परों को फरवरी के दूसरे सप्ताह में हटा दें

पपीता की फसल के नए पौधों को सर्दी से बचाने के लिए बनाए गए छप्परों को फरवरी के दूसरे सप्ताह में हटा दें। पौधों में प्रति पेड़ आधा किलोग्राम मिश्रित खाद जिसमें अमोनियम सल्फेट, सिंगल सुपर फॉस्फेट व पोटाशियम सल्फेट 2 : 4 : 1 के अनुपात में डालें। सिंचाई 8-10 दिन के अंतर पर करते रहें। इसके अतिरिक्त 20 किलोग्राम गोबर की खाद प्रति पौधा अवश्य डालें। खाद को तने से 35-40 सेंटीमीटर की दूरी पर चारों ओर डालें।